

मध्य प्रदेश में ब्लैकबक का अवैध शिकार

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के शाजापुर ज़िले में शिकारियों के एक समूह द्वारा जानवरों के एक झुंड पर गोली चलाने के बाद एक [कृष्णमृग](#) (ब्लैकबक) की मृत्यु हो गई।

- वन विभाग ने [वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972](#) के तहत मामला दर्ज किया है।

नोट: [वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो \(WCCB\)](#) की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, 2008 से 2018 के बीच 13 राज्यों में 139 लुप्तप्राय काले हरिण मारे गए।

- इन हत्याओं की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश में दर्ज की गई, उसके बाद कर्नाटक और उत्तर प्रदेश का स्थान है।

मुख्य बटु

- ब्लैकबक के बारे में:



- ब्लैकबक (*Antelope cervicapra*) कृष्णमृग या भारतीय मृग, भारत और नेपाल में पाई जाने वाली मृग प्रजाति है।
 - ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों में (संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत में) व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
 - इसे [घास के मैदान](#) का प्रतीक माना जाता है।
 - इसे [चीते](#) के बाद दुनिया का दूसरा सबसे तेज़ दौड़ने वाला जानवर माना जाता है।
 - यह एक [दैनंदिनी मृग \(Diurnal Antelope\)](#) है अर्थात् यह मुख्य रूप से दिन के समय ज़्यादातर सक्रिय रहता है।
 - यह आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब का [राज्य पशु](#) है।
- सांस्कृतिक महत्व:
 - यह [हिंदू धर्म](#) के लिये पवित्रता का प्रतीक है क्योंकि इसकी त्वचा और सींग को पवित्र अंग माना जाता है। बौद्ध धर्म के लिये यह [सौभाग्य \(Good Luck\)](#) का प्रतीक है।
- संरक्षण स्थिति:
 - [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#): अनुसूची-I।
 - [आईयूसीएन \(IUCN\)](#) में स्थान: कम चिंता (Least Concern)

◦ **CITES:** परशिष्ट-III

■ **खतरे:**

◦ इनके संभावित खतरों में प्राकृतिक आवास का खिंडन, वनों का उन्मूलन, प्राकृतिक आपदाएँ, अवैध शिकार आदि शामिल हैं।

■ **संबंधित संरक्षित क्षेत्र:**

◦ वेलावदर (Velavadar) कृष्णमृग अभयारण्य- गुजरात

◦ प्वाइंट कैलमिर (Point Calimer) वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु

◦ वर्ष 2017 में **उत्तर प्रदेश** राज्य सरकार ने परयागराज के समीप यमुना-पार क्षेत्र (Trans-Yamuna Belt) में **कृष्णमृग संरक्षण रज़िर्व** स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी। यह कृष्णमृग को समर्पित पहला संरक्षण रज़िर्व होगा।

वन्यजीव संरक्षण पहल

वन्यजीव के लिये संवैधानिक प्रावधान

■ **42वाँ संशोधन अधिनियम,**

1976: वन और जंगली जानवरों तथा पक्षियों का संरक्षण (राज्य से समवर्ती सूची में हस्तांतरित)

■ **अनुच्छेद**

48 A: राज्य पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा देश के वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा का प्रयास

■ **अनुच्छेद**

51 A (g): वनों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने के लिये मौलिक कर्तव्य

वैधानिक ढाँचा

■ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972

■ जैविक विविधता अधिनियम, 2002

प्रमुख संरक्षण पहलें

■ **वन्यजीव आवासों का एकीकृत विकास (IDWM):**

- ④ वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण हेतु राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई
- ④ एक केंद्र प्रायोजित योजना

■ **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2017-2031)**

■ **संरक्षित क्षेत्रों में इको-पर्यटन के लिये दिशानिर्देश**

■ **मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन**

■ **वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो:** वन्यजीव संबंधी अपराधों से निपटने हेतु

■ **वन्यजीव प्रभाग (MoEFCC):**

- ④ जैव विविधता और संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क के संरक्षण हेतु नीति और कानून
- ④ IDHW, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और भारतीय वन्यजीव संस्थान के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता

■ **वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB):** खुफिया

जानकारी एकत्र करना और उसका प्रसार, केंद्रीकृत वन्य जीवन अपराध डेटाबैंक की स्थापना, समन्वय आदि।

■ **वन्यजीव अपराध नियंत्रण:**

- ④ ऑपरेशन सेव कुर्मा
- ④ ऑपरेशन थंडरबर्ड

प्रजाति-विशिष्ट पहल

- गंगा नदी क्षेत्र में ग्रेटर एडजुटेड (धेनुक) की सुरक्षा एवं संरक्षण
- गंगा नदी के गैर-संरक्षित क्षेत्र में डॉल्फिन संरक्षण
- जंगली भैंसों के लिये संरक्षण प्रजनन केंद्र (वर्ष 2020)
- हिम तेंदुए के लिये पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम (वर्ष 2009)
- गिद्धों के लिये पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम (वर्ष 2006)
- प्रोजेक्ट एलिफेंट (वर्ष 1992)
- प्रोजेक्ट टाइगर/राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) (वर्ष 1973)

वैश्विक वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के साथ भारत का सहयोग

- ④ वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES)
- ④ जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (CMS)
- ④ जैविक विविधता पर कन्वेंशन (CBD)
- ④ विश्व विरासत सम्मेलन
- ④ रामसर कन्वेंशन
- ④ वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क (TRAFFIC)
- ④ यूनाइटेड नेशन्स फोरम ऑन फॉरेस्ट (UNFF)
- ④ अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (IWC)
- ④ प्रकृति संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN)
- ④ ग्लोबल टाइगर फोरम (GTF)



Drishhti IAS

